मार्च 2023

स्वास्थ्य पर जागरूकता का एक सशक्त माध्यम - दीवार लेखन

राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र

रायपुर, छत्तीसगढ़

मार्च 2023

स्वास्थ्य पर जागरूकता का एक सशक्त माध्यम - दीवार लेखन

बोलती दीवार, सुनते लोग - जागरूक हो रहे मेरे गाँव के लोग

प्रस्तावना - जानकारी, शिक्षा और संचार एक नियमित चलने वाली प्रक्रिया है और इसका एक सशक्त और प्रमुख माध्यम है दीवार लेखन | दीवार लेखन में लिखी जानकारी लोगों के जीवन से जुड़े अधिकारों और आवश्यकताओं पर केन्द्रित होती है | दीवार लेखन कम शब्दों, रोचक चित्रों के माध्यम से आवश्यक जानकरी प्रदान करते है |

आज भी गाँव में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार, सामजिक अधिकारों के विषय में लोगों में जागरूकता की कमी की वजह से अपने अधिकारों से वंचित जीवन जीने को मजबूर है | इसी सोच के साथ राष्ट्रिय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र के दवारा गाँव-गाँव में लोगों को स्वास्थ्य और उसको प्रभावित करने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए फरवरी माह में गाँव के प्रमुख स्थानों पर दीवार लेखन किया गया |

प्रारंभ में दीवाल लेखन गेरू रंग से लिखा जाता था, उसके बाद रंग बिरंगे, चित्र आधारित, आकर्षक, नारा आधारित दिवार लेखन किये जाने लगे, जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते है और लोग उन संदेशों को पढ़ते ही है | आज यह दीवार लेखन हर पारा, मोहल्ले और भीड़ वाले इलाको में देखने को मिल रहे है |

उद्देश्य -

- लोगों में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना
- सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाओं के बारे लोगो को जानकरी देना
- महिला हिंसा के मुद्दे पर महिलाओं को आवाज़ उठाने और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना
- लोगों के रोज़ी-रोटी, शिक्षा, स्वास्थ्य से जुड़े मौलिक अधिकारों पर जानकरी प्रदान करना
- पर्यावरण सुरक्षा के बचाव के उपाय पर लोगो में जागरूकता लाना

फरवरी 2023 विभिन्न मुद्दों पर दीवार लेखन - पिछले कुछ सालो में दीवार लेखन स्वास्थ्य विषयों पर सुचना, जानकरी, जागरूकता का एक प्रमुख माध्यम बन गया है | दीवार लेखन से बच्चे, बूढ़े, जवान हर किसी को कुछ न कुछ सीखने को मिलता है | इसी क्रम में इस वर्ष भी स्वास्थ्य और उसे प्रभावित करने वाले मुद्दों पर एक नए रूप में दीवार लेखन किया गया है |

दीवार लेखन सम्बन्धी आवश्यक दिशा निर्देश व् प्रक्रिया

i. **दीवार लेखन सामाग्री -** राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र के दवारा क्षेत्र में कार्यरत साथियों की सहायता से लोगों की समस्याओं, लोगों की आवश्यकताओं और सरकारी योजनाओं पर जागरूकता की स्थिति पर चर्चा कर दीवार लेखन हेतु आवश्यक विषयों का चयन कर उस पर नारे तैयार किये गए |

ii. **दीवार लेखन हेतु स्थान** - क्षेत्र में नारा लेखन का कार्य ऐसे स्थानों पर जहाँ ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग नारों को पढ़ सके जिसमे बस स्टैंड, बाज़ार, चौक-चौराहा आदि स्थानों में किये जाने का निर्णय लिया गया |

iii. **पेंटर - दीवार लेखन का कार्य** प्राथमिकता के आधार पर महिला, विकलांग या स्थानीय व्यक्ति को दोए जाने के निर्णय लिया गया |

iv. **पेंटिंग संबंधी आवश्यक जानकारी -** दीवार लेखन हेतु गुणात्मक पेंट/ रंगों के साथ ही अक्षरों का आकार, दो लाईनों के मध्य दुरी आदि बातो पर विशेष ध्यान दिए जाने का निर्णय लिया गया |

फरवरी माह 2023 में किय गए दीवार लेखन की जिले अनुसार जानकरी

क्र.	जिले का नाम	ब्लाक की संख्या	दीवार लेखन की कुल संख्या
1.	बालोद	5	
2.	बलौदाबाज़ार	5	
3.	बलरामपुर	6	

4.	बस्तर	7	
5.	बेमेतरा	4	
6.	बीजापुर	4	
7.	बिलासपुर	4	
8.	दंतेवाड़ा	4	
9.	धमतरी	4	
10.	दुर्ग	3	
11.	गरियाबंद	5	
12.	गौरेल्ला पेंड्रा	3	
13.	जांजगीर	5	
14.	जशपुर	8	
15.	कबीरधाम	4	
16.	कांकेर	7	
17.	खैरागढ़ छुईखदान	2	
18.	कोंडागांव	5	
19.	कोरबा	5	
20.	कोरिया	2	
21.	महासमुंद	5	
22.	मनेन्द्रगढ़ भरतपुर	3	
23.	मोहला मानपुर	3	
24.	मुंगेली	2	
25.	नारायणपुर	2	
26.	रायगढ़	7	
27.	रायपुर	4	
28.	राजनांदगाँव	4	
29.	सक्ती	4	
30.	सारंगढ़ बिलाईगढ़	3	
31.	सुकमा	3	
32.	सूरजपुर	6	
33.	सरगुजा	7	
	कुल		

उपसंहार - लोगों में स्वास्थ्य को लेकर व्यवहार में सकरात्मक बदलाव, अच्छी आदते, बच्चे, बूढ़े जवान, दम्पत्ति सभी में जागरूकता के लिए दीवार लेखन का प्रयास क्षेत्र में लोगों के दवारा नशा छोड़ने, अस्पताल में प्रसव, 6 माह से उपरी आहार, पेड़ को काटने से बचाने और अधिक पेड़ लगाने, गाँव में स्वच्छता सम्बन्धी कार्य, महिला हिंसा के मामलो को सुलझाने में समाज की भागीदारी, शारीरिक और मानसिक रोगों के लिए बैगा नहीं सरकारी अस्पताल में इलाज कराने, घरो में धुँआ रहित चूल्हा लगाने, मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है |

प्रमुख मुद्दों पर किये गए दीवार लेखन की एक झलक

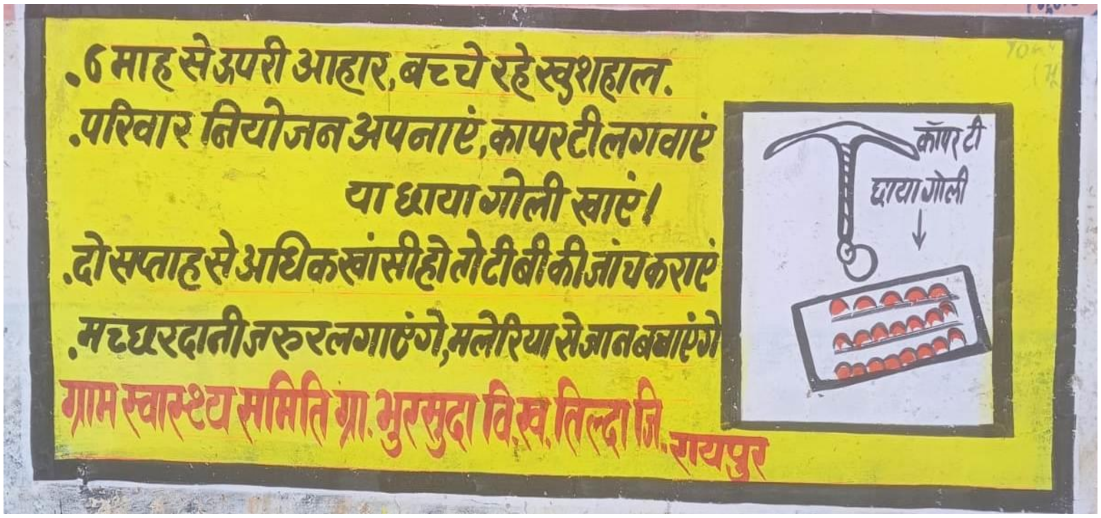
.6 माह से ऊपरी आहार, बच्चे रहे खुशहाल.
.परिवार नियोजन अपनाएं, कापरटी लगवाएं
या छाया गोली खाएं।
.दो सप्ताह से अधिक खांसी हो तो टीबी की जांच कराएं
.मच्छरदानी जरुर लगाएंगे, मलेरिया से जान बचाएंगे
ग्राम स्वास्थ्य समिति ग्रा. भुरसुदा वि.ख. तिल्दा जि. रायपुर
कॉपर टी
छाया गोली

गर्भावस्था के दौरान (हाई रिस्क) खतरे वाली महिला की पहचान तथा देखभाल
नीचे बताये गये कोई भी खतरे के लक्षण होने पर गर्भवती को डॉक्टर से जाँच करानी चाहिये।
चेहरे या हाथ/पैर में सूजन
झटके आना
खून जाना
बच्चे का हिलना-डुलना कम पता चलना
खून की गंभीर कमी होना
बुखार या मलेरिया होना
पीलिया होना
बी.पी. बढ़ा होना
शुगर बढ़ा होना
208
ग्राम - कारीडपर मितानिन - अन्हिया राठिया
V.H.S.C

1. स्तनपान कराने के बाद बच्चे को डकार दिलाये
जिसके कारण माँ बच्चे को जितने बार दूध पिलाये
उतने बार कंधे में रखकर डकार दिलाये।
2. इससे गले में, नाक में दूध नही फंसता सांस लेने मे
तकलीफ नही होती।
3. लेटकर दूध न पिलाये।

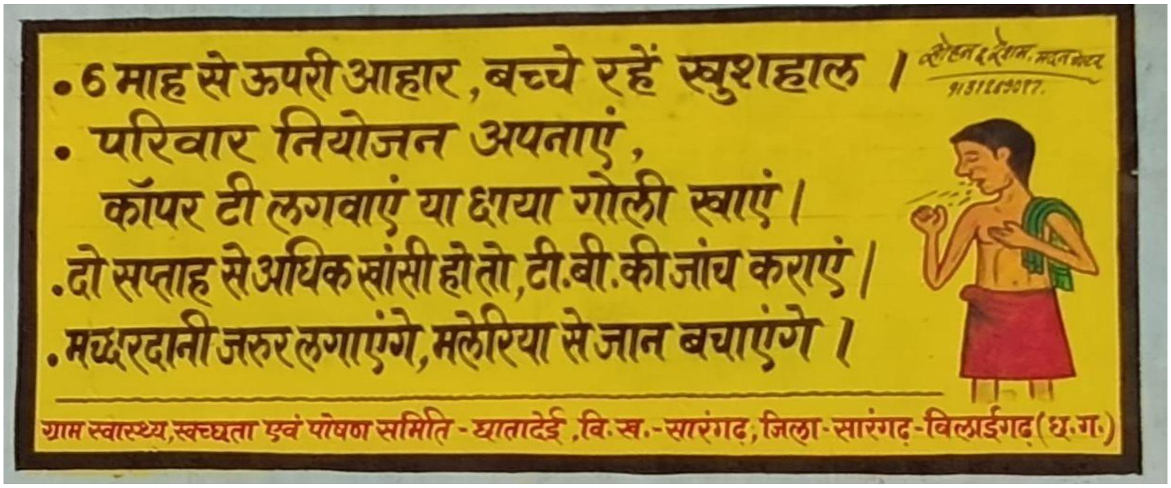
• 6 माह से ऊपरी आहार, बच्चे रहें खुशहाल।
• परिवार नियोजन अपनाएं,
कॉपर टी लगवाएं या छाया गोली खाएं।
. दो सप्ताह से अधिक खांसी हो तो, टी.बी. की जांच कराएं।
. मच्छरदानी जरुर लगाएंगे, मलेरिया से जान बचाएंगे।
ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति - घातादेई, वि.ख.-सारंगढ़, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

G.Arts
• हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर जाएंगे, तुरंत ईलाज पाएंगे।
• 6 माह से ऊपरी आहार, बच्चे रहे खुशहाल।
• परिवार नियोजन अपनाएं, कॉपर टी लगवाएं या छाया गोली खाएं
• दो सप्ताह से अधिक खांसी हो तो टी.बी. की जांच कराएं।
• मच्छर दानी जरुर लगाएंगे, मलेरिया से जान बचाएंगे।
"ग्राम स्वास्थ्य समिति - करए"
अस्पताल +

. हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर जाएंगे, तुरन्त इलाज पाएंगे!
. गुड़ाखू, गुटखा, खैनी जिसने गले लगाया, बीमारी को अपने पास बुलाया
. गर्भवती भी अगर गुड़ाखू घिसेगी,
पेट मे पल रहे बच्चे की उम्र घटेगी!
ग्राम स्वास्थ्य समिति ग्राम कोहका, वि.ख. तिल्दा, जिला रायपुर
नशा पदार्थ सेवन करने का परिणाम
VIMAL गुटखा

● 6 माह से ऊपरी आहार बच्चे रहे खुशहाल।
● परिवार नियोजन अपनाएं कॉपर टी लगवाएं
या छाया गोली खाएं।
● दो सप्ताह से अधिक खांसी हो तो टी.
बी. की जांच कराए।
● मच्छरदा जरूर लगाएंगे मलेरिया से जान बचाएंगे।
ग्रा. स्वास्थ्य समिति-सेम्हरबांधा, वि.खं.अं. चौकी
बंटी चंदू आर्ट
गुण्डरदेही

● 6 माह से ऊपरी आहार, बच्चे रहे खुशहाल।
● परिवार नियोजन अपनाए कॉपर टी लगवाए
या छाया गोली खाए। ● दो सप्ताह से अधिक खासी
हो तो टी.बी. की जॉच कराये। मच्छर
दानी जरूर लगाएगें मलेरिया से जान बचाएगें
ग्रा.स्वा.समिति-लाटापारा

. हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर जायेंगे, तुरंत इलाज पायेंगे,
. गुड़ाखू गुटखा, खैनी जिसने गले लगाया,
बीमारी को अपने पास बुलाया।
. गर्भवती भी अगर गुड़ाखू घिसेगी,
पेट में पल रहे बच्चें की उम्र घटेगी।
ग्राम स्वास्थ्य समिति-सम्बलपुर दि:-17-02-2023

• छः माह के बाद उपरी आहार, बच्चे रहे खुशहाल
• परिवार नियोजन अपनाए, कापर टी लगाये,
या छाया गोली खाये। दो सप्ताह से अधिक
खांसी हो तो टी.बी. की जांच करायें।
• मच्छरदानी लगायेंगे, मलेरिया से जान बचायेंगे।
"ग्राम स्वास्थ्य समिति हरदीभाठा"

• 6 माह से ऊपरी आहार, बच्चे रहे खुशहाल।
• परिवार नियोजन अपनाएं, कॉपर टी लगवाएं/छाया गोली खाएं।
• दो सप्ताह से अधिक खांसी, टी.बी. की जाँच कराएं।
• मच्छरदानी जरुर लगाएंगे, मलेरिया से जान बचाएंगे।
ग्राम स्वास्थ्य समिति-अरमरीकला
वि.खं.-गुरुर, जिला-बालोद (छ.ग.)

• हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर जायेंगे,
तुरन्त ईलाज पायेंगे।
• गुड़ाखू, गुटखा, खैनी जिसने गले लगाया
बिमारी को अपने पास बुलाया।
• गर्भवती भी अगर गुड़ाखू घिसेगी,
पेट में पल रहे बच्चे की उम्र घटेगी।
ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति गंजाईभौना जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ छ.ग.

पारा के मितानिन को बताना है, मानसिक मरीज का ईलाज कराना है।
न बैगा न झाड़फूक से, मानसिक बीमारी ठीक होती है डॉक्टरी ईलाज से
ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति- चुनचुना

पारा के मितानिन को बताना है, मानसिक मरीज का ईलाज करवाना है।
न बैगा, न झाड़-फूंक से मानसिक बीमारी ठीक होती है डॉक्टरी ईलाज से।
ग्राम स्वास्थ्य व पोषण समिति-कोसंगा, वि.ख.- लखनपुर।

महिला को जो मारेगा, जेल की हवा खायेगा
धारा-323, 325 व 498 में)
महिला को जो टोनही कहेगा,
3 साल की जेल सहेगा।
कारावास
ग्राम स्वास्थ्य समिति-सम्बलपुर

•महिला को जो मारेगा, जेल की हवा खाएगा ॥
• महिला को जो टोनही कहेगा, 3 साल की जेल सहेगा ॥
धारा-323, 325 व 498
ग्राम स्वा. समिति - भंवतरा वि.खं. पामगढ़
2

•जंगल जितना हरा-भरा जीवन उतना सुशहाल हमारा।
•पेड़ नही लगाओगे तो जीवन कैसे जी पाओगे।
•हम सबने यह ठाना है, प्रदूषण मुक्त गांव बनाना है।
ग्राम स्वास्थ्य समिति बेलखरिया वि. ख. लखनपुर
3

• जंगल जीतना हरा भरा, जीवन ऊतना सुशहाल हमारा।
•पेड़ लाते हरियाली, जिससे मिलती सुशहाली
•हम सब ने यह ठाना है-
प्रदुषण मुक्त गांव बनाना है।
(ग्राम स्वास्थ्य समिति- सिल दहा, पथरिया)
पेड़ लगाओ
पर्यावरण बचाओ

• धुआं रहित चूल्हा बनाओं,
बीमारी को दूर भगाओं।
• पॉलिथिन का उपयोग नहीं करेंगे,
पर्यावरण की रक्षा करेंगे।
(ग्राम स्वास्थ्य समिति- सिलदहा)

• धुआं रहित चूल्हा बनाओ, बीमारी को दूर भगाओ।
• पालिथिन का उपयोग नहीं करेंगे, पर्यावरण का रक्षा करेंगे।
ग्राम स्वास्थ्य समिति, गांव-लिंगापुर

बंदी चंद आर्ट
गुण्डरदेही
• धुंआ रहित चूल्हा बनाओं, बीमारी
को दूर भगाओं।
• पॉलिथिन का उपयोग नही करेगें।
पर्यावरण का रक्षा करेगें।
ग्राम स्वास्थ्य समिति-पीपरखार "वि.खं. अं. चौकी"